गब्बर , काल्या और द्वि सिपाही सणी रामगढ भेजुद्ध कि वख बिटि loot-maar वालू साफ्टवियर ordered करी देया ।

सभी रामगढ पहुँचदा और हला शुरु करदा : अबे वो ठाकुर का बच्चा कख छ वू लूट-मार वालू साफ्टवियर, आखरी तारीख कब की चलिगी

ठाकुर नाराज होइक : अबे वो हला नी करी, जैक गब्बर सी बोल दी कि ठाकुर साफ्टवियर वालू न पागल कूतू क तैं साफ्टवियर बणौणू बन्द करीली

काल्या : अबे वो ठाकुर बहुत गरमी नि दिखौव ? कोइ नयु प्रोग्रामर खरीदी ली क्या ?

ठाकुर : जरा नजर उठैक देख तेरा कपाल पर पावरबिल्डर मंडराणू छ

काल्या न उब्बू देखी त विरु (धर्मेन्द्र) एक कम्प्यूटर पर काम करणू छ और जय (अमिताभ) हैका कम्प्यूटर "लैबटाप" पर । काल्या न हसणूँ सुरु करी : हा... ... ।हा... ... ... । हा... ... । ठाकुर न नया छोरु की भरती करिली क्या । यी नया छोरा प्रोग्रामिंग करला क्या ? यूँ सणी त DOS commands भी नि औन्दी होली

विरु जोर सी हला करदू : चुप-चाप चली जा कुते । हम लोग consultants छ कुछ भी करी सकदा

जय न कुछ commands keyboard सी हिट करी और फिर बोली : जा बे वे काल्या , गब्बर सी बोली कि तैकू server down होयूँ छ

AT GABBAR'S DEN...

गब्बर : कति bugs थै

काल्या : " द्वई सरकार."

गब्बर : यि द्वई ! और तुम तीन ।फिर भी फिक्स नि करि सकी ? क्या सोचि क आया छ ? गब्बर बहुत खुश होलू ? नया assignment देलू और increment भी ? येकि सजा जरूर मिललि... ... ... बरोबर मिललि

[गब्बर साम्बा सी पुछदू]. "अरी वो साम्बा कति sessions छ यीं मशीन मा ?"

साम्बा : " छै सरकार."

गब्बर : " sessions छै और प्रोग्रामर तीन । बहुत नाइन्साफी छ [logout - logout - logout]. " हाँ अब ठीक छ... ... ... अब तेरु क्या होलू काल्या?"

काल्या : " सरकार मैन आपकू कोड लिखि थै."

गब्बर : " त अब documentation कर"